समुदाय के साथ इंडिजेनस फिल्म महोत्सव 26-27 अगस्त को

रांची। भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची और सम्वाद एक आदिवासी सम्मेलन और टाटा स्टील फाउंडेशन की पहल, प्रस्तुत करते हैं 'समुदाय के साथ इंडिजेनस फिल्म महोत्सव'। यह फिल्म महोत्सव झारखंड की दिल और आत्मा को आदिवासी सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ के माध्यम से खोजने का उद्देश्य रखता है। इससे सांस्कृतिक पहचान, ज्ञान और विकास के परिप्रेक्ष्य में आदिवासी समुदायों की चुनौतियों की आपसी दृष्टिकोण को उजागर करने का मंच प्रदान किया जाएगा। महोत्सव, 26 और 27 अगस्त 2023 को आयोजित होने जा रहा है, जिसमें फिल्म स्क्रीनिंग, चर्चाएं और कहानी सत्र शामिल होंगे। पहले दिन, 'सिनेमा और आदिवासीयता' विषय पर चर्चा की जाएगी, जबकि दूसरे दिन 'आदिवासी धरोहर और सांस्कृतिक सहनशीलता' पर ध्यान केंद्रित होगा। महोत्सव का उद्देश्य मानवता के लिए लाभकारी वार्तालाप को बढ़ावा देना है और आदिवासी समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साहस का सम्मान करना। अत्यधिक फिल्मों के माध्यम से, 'समुदाय के साथ इंडिजेनस फ़िल्म महोत्सव'

झारखंड की आदिवासी समुदायों के बहुप्रतिभागी रंगों की दृष्टि में प्रकाश डालेगा, उनकी अनूठाई और सहनशीलता का समर्थन करता है। दर्शकों को झारखंड की विविध आदिवासी समुदायों की मोहक कथाओं, समृद्ध संस्कृतियों और अतीत परंपराओं में डूबने का अद्वितीय अवसर होगा। प्रख्यात मेहमानों और सम्पन्न फिल्ममेकरों, जिनमें एकाधिक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ़िल्ममेकर और सामाजिक क्रियाकलापकर्ता बिजु टोप्पो और मेघनाथ शामिल हैं, महोत्सव पर उप-स्थित अत्यधिक महत्वपूर्ण चर्चाओं को बढ़ावा देने के लिए उपस्थित होंगे, फ़िल्मनिर्माण के साथ-साथ आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली मुद्दों पर भी।

महोत्सव एक आदिवासी प्रार्थना के साथ शुरू होगा, जिसके बाद आईआईएम रांची, भ्रस्त्र, सम्वाद और स्वस (समुदाय के साथ) का परिचय होगा। प्रतिष्ठित मेहमानों और फिल्ममेकरों को सम्मानित किया जाएगा, और फ़िल्म स्क्रीनिंग, फ़िल्ममेकरों के साथ चर्चाएं और कहानी सत्रों के लिए सत्र समर्पित किए जाएंगे। महोत्सव का उद्देश्य सीमाओं के भीतर और उनके परे वार्तालाप के लिए एक माध्यम बनाना है, जो आदिवासी धरोहर और सांस्कृतिक सहनशीलता की गहरी समझ को बढ़ावा देता है। 'समुदाय के साथ आदिवासी फ़िल्म महोत्सव' एक मंच है जो केवल फ़िल्मों और फ़िल्ममेकरों का प्रदर्शन नहीं करता है, बल्कि विविध दृष्टिकोण, शिक्षाएं और अभिव्यक्तियों का आदान-प्रदान सुनिश्चित करता है। इस पहल के पहले संस्करण के माध्यम से, आईआईएम रांची अपने प्रयासों को स्थानीय रूप से कनेक्टेड वैश्विक दिशा में जाने की कोशिश कर रहा है, झारखंड के लोगों की आवाजों को पहचानने और सुनने की। इसका उद्देश्य फिल्मों की शक्ति का उपयोग करके भारतीय आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक पहचान और ज्ञान को हाइलाइट करना है। इस घटना को आदिवासी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जीवंत किया जाएगा, जो आदिवासी इतिहास की समृद्धि धरोहर को प्रस्तुत करते हैं। इस सांस्कृतिक जीवंतता के संघटन से यह महोत्सव इन समुदायों की जड़ों और कलात्मक अभिव्यक्तियों का सम्मान करने की प्रतिबद्धता को और भी मजबूती देता है।

Gujarat Vaibhav_22.08.2023_Pg. 02